भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2518
दिनांक 10 अगस्त 2026

पेट्रोल एवं डीजल की खुदरा कीमतें

2518 **श्री इमरान प्रतापगढ़ीः**

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार हो रही गिरावट को देखते हुए पेट्रोल एवं डीजल की खुदरा कीमतों को कम करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद ईंधन की खुदरा कीमतों को सीमित रूप से कम किये जाने के पीछे क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार का कच्चे तेल की कीमतों में आई कमी का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का विचार है; और

(घ) चालू वित्त वर्ष के दौरान वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट के कारण तेल विपणन कंपनियों तथा सरकार को अनुमानतः कितनी बचत हुई है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (घ): देश में पेट्रोल और डीज़ल के मूल्य बाज़ार निर्धारित हैं तथा सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियाँ (ओएमसीज़) पेट्रोल और डीज़ल के मूल्य निर्धारण पर उपयुक्त निर्णय लेती हैं।

संघर्षों और अन्य बाहरी कारकों/विकासों के कारण अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल और उत्पादों की कीमतों में अभूतपूर्व अस्थिरता के बावजूद, जून 2021 और जून 2026 के बीच भारत में खुदरा बिक्री केंद्रों पर पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में वृद्धि प्रमुख विकसित और पड़ोसी देशों की तुलना में बहुत कम रही है, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:

क्र. सं.	**देश**	**21 जून और 26 जून के बीच पेट्रोल की कीमतों में % की बढ़ोतरी**	**21 जून और 26 जून के बीच डीज़ल की कीमतों में % बढ़ोतरी**
1	भारत (दिल्ली)	**8.1**	**11.5**
2	फ्रांस	59.9	71.2
3	जर्मनी	51.1	63.0
4	इटली	44.5	65.5
5	स्पेन	34.4	58.0
6	यूके	46.9	62.5
7	कनाडा	41.5	70.0
8	यूएसए	70.6	97.4
9	पाकिस्तान (लाहौर)	160.6	148.9
10	बांग्लादेश (ढाका)	46.3	59.0
11	श्रीलंका (कोलंबो)	148.6	207.1
12	नेपाल (काठमांडू)	76.0	111.8

स्रोत: पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी)

पश्चिम एशिया संकट से पूर्व, कच्चे तेल (भारतीय बास्केट) की कीमत फरवरी 2026 में यूएसडी 69/बैरल थी, जो मार्च 2026 के दौरान बढ़कर यूएसडी 136.68/बैरल हो गई और विभिन्न भू-राजनीतिक एवं बाज़ार कारकों के कारण उतार-चढ़ाव जारी रहा। पेट्रोल और डीज़ल की बिक्री पर भारी अल्प-वसूली होने के बावजूद, पीएसयू ओएमसीज़ द्वारा इनके मूल्य में केवल मामूली वृद्धि की गई। अंतरराष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर न डालने के परिणामस्वरूप, सभी तीन पीएसयू ओएमसीज़ ने वित्तीय वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही (क्यू1) में हानि दर्ज की है। पीएसयू ओएमसीज़ को हुई हानि के विवरण, उनके कारोबार (टर्नओवर) के साथ नीचे दर्शाए गए हैं:

(करोड़ रुपये में)

पीएसयू ओएमसी	**टर्नओवर (क्यू1 वित्त वर्ष 2025-26)**	**घाटा (क्यू1 वित्त वर्ष 2025-26)**
आईओसीएल	2,76,357	(2,662)
बीपीसीएल	1,60,733	(3,962)
एचपीसीएल	1,46,407	(11,526)

स्रोत: पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी)

इसके अतिरिक्त, उपभोक्ताओं को इसके प्रभाव से बचाने हेतु, मार्च 2026 में सरकार ने पेट्रोल और डीज़ल प्रत्येक पर उत्पाद शुल्क में ₹10 प्रति लीटर की कमी की, साथी ही जिसके परिणामस्वरूप सरकार के कर राजस्व में उल्लेखनीय कमी आई।

*****